उत्तर प्रदेश में सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (SAF) उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए इन्वेस्ट यूपी ने उच्च-स्तरीय राउंडटेबल का आयोजन किया

सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (SAF) नीति लाने वाला पहला राज्य होगा उत्तर प्रदेश: मुख्य सचिव

लखनऊ, 01 जून, 2025: सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (SAF) के विनिर्माण में अवसरों की खोज के उद्देश्य से **इन्वेस्ट यूपी** ने आज लखनऊ के ताज होटल में एक उच्च-स्तरीय राउंडटेबल का आयोजन किया। सत्र की अध्यक्षता **मुख्य सचिव, श्री मनोज कुमार सिंह** ने की इस बैठक में प्रमुख निवेशक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और नीति विशेषज्ञ शामिल हुए, जिन्होंने इस उभरते हुए हरित ऊर्जा क्षेत्र की संभावनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया।

इस मंच के माध्यम से ड्राफ्ट**- उत्तर प्रदेश सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल विनिर्माण प्रोत्साहन नीति 2025** को प्रस्तुत और उस पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। प्रस्तावित आगामी एसएएफ़ नीति 2025, भारत में अपनी तरह की पहली नीति होगी। मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह ने प्रस्तावित नीति में शामिल प्रोत्साहनों, सुविधाओं और नीतियों को रेखांकित किया, साथ ही उत्तर प्रदेश की समृद्ध कृषि संपदा, सुदृढ़ बुनियादी ढांचे और औद्योगिक नीतियों को इसे एक प्रमुख उत्पादन केंद्र बनाने में सहायक बताया।

किसानों के लिए नए अवसर:

इस नीति के अमल में आने के बाद और SAF उद्योगो की स्थापना के बाद राज्य के किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। एसएएफ़ उद्योग की बायोमास और अनाज-आधारित फीडस्टॉक — जैसे गन्ने की खोई, धान की भूसी, गेहूं का भूसा और अधिशेष अनाज — की मांग किसानों के लिए नए बाजार अवसर पैदा करेगी। स्थानीय कृषि क्षेत्रों से सीधे कच्चा माल खरीदने से, यह क्षेत्र ग्रामीण आय को बढ़ाने और बेहतर मूल्य दिलाने में मददगार होगा। श्री मनोज कुमार सिंह ने कहा, "यह नीति न केवल हमारे हरित ऊर्जा क्षेत्र में तेजी लाती है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करती है कि हमारे किसानों को इससे सीधे लाभ मिले — जिससे उनके हाथों में अधिक पैसा आए और एक हरित भविष्य का निर्माण हो सके।"

इन्वेस्ट यूपी द्वारा सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल के लिए उत्तर प्रदेश के विजन पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिसके बाद उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ इससे जुड़े विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस सत्र में भूमि की उपलब्धता, नीति निर्माण और व्यापार करने में आसानी जैसे प्रमुख मुद्दों पर बात की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने आगामी एसएएफ़ नीति को परिष्कृत करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

भारी निवेश आने की संभावना:

ग्रीनको, एएम ग्रीन्स, ई20 ग्रीनफ्यूल्स, न्यू एरा क्लीन टेक और मालब्रोस ग्रुप सहित 18 से अधिक कंपनियों ने राज्य में SAF इकाइयां स्थापित करने में गहरी रुचि व्यक्त की। इन फर्मों ने सामूहिक रूप से यूपी में सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल में ₹3,000 करोड़ से अधिक के निवेश की रुचि दिखाई है।

उत्तर प्रदेश, भारत के सबसे बड़े हवाई, रेल और सड़क बुनियादी ढांचे—जिसमें पाँच अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (जेवर हवाई अड्डे सहित) शामिल हैं—के साथ सहज लॉजिस्टिक्स और उत्कृष्ट बाजार कनेक्टिविटी प्रदान करता है। ये सभी लाभ राज्य की प्रगतिशील नीतियों के साथ मिलकर इसे SAF (सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल) विनिर्माण के लिए

एक आदर्श विकल्प बनाते हैं और राज्य के $1 ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था बनने तथा सतत औद्योगिक विकास में अग्रणी बनने के विजन के पूर्णतः अनुरूप हैं।

इस महत्वपूर्ण सत्र में **इन्वेस्ट यूपी** के **मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री विजय किरण आनंद** और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जो हरित नवाचार, निवेश और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।